12.15 hrs.

RE: CALLING ATTENTION (Procedure).

MR. SPEAKER: The Calling Attention.

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : मैं एक व्यवस्था का प्रश्न उठाना चाहता हूं कुछ दिन पहले हम लोगों ने जब साउथ के मुख्य मंत्रियों की कान्फ्रेंस के बारे में जो उसमें हिन्दी के बारे में निर्णय लिया गया था उसको ले कर कालिंग एटेंशन दिया था तो आपने कहा था कि उस में एक भी साउथ इंडिया का सदस्य नहीं है...

MR. SPEAKER: That is not a point of order. Don't record. (*Interruptions***) What item is to be selected is to be done by me, not by you. The Calling Attention.

श्री राम विलास पासवान : आपने कलिंग दिया था कि चूंकि साउथ का एक भी नहीं है उन नामों में इसलिए उस कालिंग एटेंशन मोशन को आप...

MR. SPEAKER: I have ruled it out. You must conform to the rules.

You could raise that matter after the Minister of Parliamentary Affairs makes a statement about the Business for the next week.

SHRI VASANT SATHE (Akola): Not that. In today's Calling Attention, there is nobody's name concerned with this. That is the point he is making.

MR. SPEAKER: What can I do? There is a ballot.

श्री राम विलास पासवान : साउथ इंडियन एक भी नहीं था उन नामों में । उसी तरह से इन नामों में एक भी शैड्यूल्ड कास्ट का नहीं है । इस वास्ते या तो आप हम लोगों को मौका दें और अगर नहीं देते हैं तो इस पर डिबेट करवाइये । लोगों को मौका दीजिये या डिबेट करवाइये ।

MR. SPEAKER: There is no point of order. As the rules stand, we can take only a ballot. The ballot has been taken. You are not conforming to the rules.

श्री राम विलास पासवान : उस दिन भी तो बैलट हुआ था ।

श्री मनी राम बागड़ी (मथुरा) : अध्यक्ष महोदय, एक तो आप पूरा सुनने से पहले ही कह देते हैं कि "रिकार्ड न हो" यह अच्छी बात नहीं है कि बैक बैंचर जब बोलते हैं तो आप कहते हैं कि रिकार्ड न हो, और अगर अंग्रेजी में कोई बोले तो आप सारी बात सुनते हो । पूरा सुनने से पहले आपको क्या ख्याल आता है कि यह प्वाइन्ट आफ आर्डर है या नहीं ? पूरा सुनने के बाद आपको कहना चाहिये ।

अध्यक्ष महोदय : आप हिन्दी में बोल रहे हैं, पूरा सुना है । Yes. Mr. Joshi,

श्री मनी राम बागड़ी : पूरा सुनने से पहले आपको नहीं कहना चाहिये ।

सवाल यह है कि जो पहले अंग्रेजी और हिन्दी का सवाल था वह कालिंग अटेंशन भी बैल के जरिये से आया था लेकिन आपने उसके लिये इन्कार कर दिया और यह भी बैलट से आया है और आपने इसके लिये इन्कार नहीं किया है । इसलिये आप सुन कर फैसला दें, जो भी दें ।

MR. SPEAKER: I cannot do that.

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष महोदय, हिन्दी अंग्रेजी वाले इश्यू पर भी बैलट हुआ था लेकिन आपने यह कहा था कि

** Not recorded.

उसमें सदन के एक भी आदमी नहीं हैं इसलिये इसको डिस्कस नहीं करेंगे। आज एक भी शैड्यूल्ड कास्ट का आदमी इसमें नहीं है। मैं मांग करता हूं कि जो शैड्यूल्ड कास्ट के लोग हैं उनको प्रश्न पूछने का मौका दीजिये, नहीं तो इस पर डिस्कशन कराइये।

MR. SPEAKER: This is not a point of order.

श्री मुख्तियार सिंह मलिक (सोनीपत): स्पीकर साहब मैं एक क्लैरिफिकेशन सीक करना चाहता हूं इस मामले में। उस दिन कालिंग अटेंशन मोशन में जिन लोगों के नाम थे आपने यह कहा था कि जिस वक्त डिस्कशन होगा उसमें उनको इनक्लूड किया जायेगा। मेरा नाम कालिंग अटेंशन में था लेकिन आज मेरा नाम इसमें नहीं लिया गया है यह कैसे हुआ? क्या कुछ आदमी सलैक्ट किये गये हैं कि नहीं इस पर बोल सकते हैं? जिन लोगों के नाम कालिंग अटेंशन मोशन के अन्दर थे उनके नाम कैसे छोड़ दिये गये हैं।

MR. SPEAKER: If you give me a supplementary notice, I will look into the matter.

श्री मुख्तियार सिंह मलिक: आप हमें बताइये तो आपने कहा था कि उनके नाम इनक्लूड किये जायेंगे और आज आप कोई जवाब देने के लिये तैयार नहीं हैं?

SHRI A. BALA PAJANOR (Pondicherry): I want to make myself clear because it has a reference to my statement the other day when I said something in regard to Calling Attention Motion. I never said: "It is a question of South India, North India on that occasion." I simply stated that on that day because the facts did not relate to that. I do not want to create any bad impression or misunderstanding. There was never any question of South India or North India because I am not of that character. So, I should not be mistaken because now-a-days so many things are being said. Yesterday also under 115 you had stated something. So, I want to make myself very clear on this aspect. I objected to the Calling Attention the other day because the conference was on Sunday and the Calling Attention was on Tuesday and they were about to send all the material on Monday also. So, I said: "Only on the question of misrepresentation, it should not be there," not on the question of South India or North India.

(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: If there is any mistake, I do not know. You please make a complaint and I will look into the matter.

DR. MURLI MANOHAR JOSHI (Almora): I call the attention of the Minister of Home Affairs...

(*Interruptions*)

श्री सूरज भान (अम्बाला): अध्यक्ष महोदय बाई चांस इसमें किसी भी शैड्यूल्ड कास्ट के मैम्बर का नाम नहीं आया है लेकिन जिन लोगों के नाम हैं they represent s.c. also. I come from a reserve constituency. I represent general also. It is all right. यह इत्तिफाक की बात है कि इसमें नाम नहीं आया आप हमें चांस दे सकते हैं डिस्कशन के लिये समय दे सकते हैं। (व्यवधान)

SHRI K. GOPAL (Karur): I can understand the feelings of the Members. I was one who was present at the time of ballot yesterday. There were 24 notices. My name was also there.

(*Interruptions*)

We certainly share their feelings who were not lucky to get their names in the ballot. In my opinion, it is not practicable to allow all those 24 Members to take part in the discussion.

MR. SPEAKER: I may tell for the information of Members that Mr. Ram

[Mr. Speaker]

Dhan contacted me and he wanted that the Committee on the welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes should go there and look into the matter. I immediately gave him consent on the telephone itself so that the Scheduled Castes Committee may go there and look into it themselves. But, so far as ballot in a calling attention is concerned, there is no separate ballot for South Indians or North indians or Scheduled Castes or non Scheduled Castes. I am sorry, the ballot has not favoured. I would have preferred it. This is not absolutely corect that no South Indians is there; it is irrelevant, because Mr. Asaithambi is there. He is a South Indian.

(Interruptions)

SHRI VAYALAR RAVI (Chirayinkil): It is very unfair to make any remark.

(Interruptions)

Only Scheduled Castes, are going there. We are all interested.

MR. SPEAKER: We are all interested.

SHRI VAYALAR RAVI: We are all interested. very unfair remark he has made.

श्री राज नारायण (राय बरेली) : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मेरा एक सजेस्शन है । यह प्रश्न जेनरल है और जनेरल प्रश्न होने के नाते यह आप का पावर में है कि आप इसके स्कोप को बढ़ा दें और हर पार्टी के एक एक प्रमुख लीडर को सवाल पूछने का मौका दे दें ।

MR. SPEAKER: My reading of the rules does not permit me.

श्री राज नारायण : डा० जाकिर हुसैन ने राज्य सभा में यही किया था । गर कोई नैशनल इम्पार्टेन्स का सवाल उठता था तो वह हर पार्टी के प्रमुख लीडरों को प्रश्न पूछने की इजाजत दे देते थे । अगर आप भी यहां हर पार्टी के एक-एक इम्पार्टेन्ट मेम्बर को सवाल पूछने का मौका दे दें तो सारा मसला हल हो जायेगा ?

MR. SPEAKER: That is a good suggestion and will be considered in the Rules Committee. *(Interruptions)*.

Mr. Lakshminarayanan, I have already told you when you met me: I will tell Mr. Ram Dhan to take you also when they go there since you come from that constituency.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

REPORTED CLASH BETWEEN CASTE HINDUS AND HARIJANS IN VILLUPURAM, TAMIL NADU.

DR. MURLI MANOHAR JOSHI (Almora): I call the attention of the Minister of Home Affairs to the following matter of urgent public importance end request that he may make a statement thereon:

> "The reported clash between caste Hindus and Harijans in villupuram, Tamil Nadu, on the 25th July, 1978 and alleged death of nine Harijans."

श्री मनीराम बागड़ी (मथुरा) : अध्यक्ष महोदय मेरा व्यवस्था का प्रश्न है । इस वक्त घर मंत्री हिन्दुस्तान के प्रधान मंत्री हैं—प्रधान मंत्री के पास घर मंत्रालय है । इस लिए प्रधान मंत्री को खुद इस पर बयान देना चाहिए । पीछे एक वक्त ऐसा आया था जब भारत के प्रधान मंत्री ने कहा था कि अगर हरिजनों पर अत्याचार होगा तो मैं सत्याग्रह करूंगा । इसलिए इस वक्त यह स्टेटमेंट प्रधान मंत्री को देना चाहिए । श्री रामधन को भी मौके पर जाना चाहिए । पिछली बार तो वह यू० एन० ओ० में चले गये थे और हरिजनों पर होने वाले अत्याचारों की निंदा करते थे । वह अब चुप क्यों है ? वह अब यू० एन० ओ० में क्यों नहीं जाते है !